



The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...



Wednesday, August 05, 2026



+91 8434931877



www.achieversiaspatna.co.in



achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- **भारत और उज्बेकिस्तान** व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी में विस्तारित सहयोग के माध्यम से रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हैं।
- ग्लॉ झील भारत का 101वां रामसर स्थल बन गया, जिससे अरुणाचल प्रदेश में आर्द्रभूमि संरक्षण **मजबूत होगा।**
- लोकसभा ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संशोधन विधेयक 2026 **को पारित किया**, जिसमें तेजी से न्याय के लिए न्यायिक संख्या में वृद्धि
- **बिरी टकार** ने ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2026 में स्वर्ण और कांस्य पदक जीते।
- मीना बिंद्रा **हुरुन इंडिया महिला नेताओं की सूची 2026** में सबसे ऊपर, अवनी लेखरा सबसे कम उम्र की शीर्ष दस नेता
- भारतीय रिजर्व बैंक ने **बैंकिंग पर्यवेक्षण को मजबूत करने के लिए** मोनिशा चक्रवर्ती को कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया।
- प्रारंभिक अल्ट्राइमर उपचार **के लिए** सीडीएससीओ की मंजूरी के बाद ईसाई ने भारत में लेकेम्बी लॉन्च किया।
- पूर्व राज्यपाल **डॉ. डी. वाई. पाटिल** का 91 वर्ष की आयु में निधन।
- **तमिलनाडु मृतक** अंगदान में सबसे आगे है और 2025 के दौरान अंग प्रत्यारोपण में दूसरे स्थान पर है।
- भारत ने पीएमजेडीवाई और वित्तीय समावेशन उपायों के माध्यम से **99.92 प्रतिशत ग्रामीण बैंकिंग कवरेज** हासिल किया है।

भारत और उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने पर सहमत हुए



- भारत और उज्बेकिस्तान व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स, रक्षा, शिक्षा और क्षमता निर्माण में सहयोग का विस्तार करके अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमत हुए हैं।
- उच्च स्तरीय द्विपक्षीय चर्चाओं के दौरान, दोनों पक्षों ने आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और अगले तीन वर्षों के भीतर द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की।
- उन्होंने कनेक्टिविटी पहल, डिजिटल सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा में प्रगति की भी समीक्षा की, जो भारत की कनेक्ट सेंट्रल एशिया पॉलिसी के तहत भारत-मध्य एशिया संबंधों के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- द्विपक्षीय व्यापार और निवेश का विस्तार।
- व्यापार के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना।
- फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में सहयोग।
- डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), फिनटेक और आईसीटी।
- सीमा शुल्क डेटा विनिमय और डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी।
- ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज।
- कृषि और खाद्य प्रसंस्करण।
- परिवहन और रसद कनेक्टिविटी।
- शिक्षा, पर्यटन और क्षमता निर्माण।

भारत के लिए उज्बेकिस्तान का सामरिक महत्व:

- उज्बेकिस्तान मध्य एशिया में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और भारत के रणनीतिक, आर्थिक और कनेक्टिविटी हितों के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है।

इसके महत्व में शामिल हैं:

- मध्य एशिया का प्रवेश द्वार।
- प्राकृतिक गैस, यूरेनियम, सोना और महत्वपूर्ण खनिजों का समृद्ध भंडार।
- भारतीय फार्मास्यूटिकल्स और आईटी सेवाओं के लिए बढ़ता बाजार।

- क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भागीदार।
- यूरेशिया के साथ भारत के जुड़ाव का समर्थन करता है।

भारत-उज्बेकिस्तान संबंध:

- भारत और उज्बेकिस्तान ने उज्बेकिस्तान की स्वतंत्रता के बाद 1992 में राजनयिक संबंध स्थापित किए।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- व्यापार और निवेश।
- रक्षा और सैन्य प्रशिक्षण।
- आतंकवाद का मुकाबला।
- सूचना प्रौद्योगिकी।
- स्वास्थ्य देखभाल और फार्मास्यूटिकल्स।
- शिक्षा और संस्कृति।
- नवीकरणीय ऊर्जा।
- डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा।

भारत-उज्बेकिस्तान अंतर-सरकारी आयोग (IGC):

- भारत-उज्बेकिस्तान अंतर-सरकारी आयोग (आईजीसी) द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा के लिए प्रमुख संस्थागत तंत्र है।

कार्य:

- व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना।
- वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाना।
- आर्थिक परियोजनाओं की समीक्षा करें।
- औद्योगिक सहयोग को मजबूत करें।
- व्यापार से संबंधित मुद्दों को हल करें।

- आईजीसी के 14वें सत्र में द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के पूर्ण स्पेक्ट्रम की समीक्षा की गई।

कनेक्ट मध्य एशिया नीति:

- 2012 में शुरू की गई भारत की कनेक्ट सेंट्रल एशिया नीति पांच मध्य एशियाई गणराज्यों के साथ जुड़ाव को मजबूत करने का प्रयास करती है।

उद्देश्य:

- व्यापार और कनेक्टिविटी में सुधार करें।
- ऊर्जा सहयोग बढ़ाएँ।
- रक्षा और सुरक्षा संबंधों को मजबूत करना।
- सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।
- शैक्षिक और डिजिटल साझेदारी का विस्तार करें।

भारत-मध्य एशिया संवाद:

भारत-मध्य एशिया वार्ता एक मंत्रिस्तरीय मंच है जिसमें शामिल हैं:

- भारत।
- कजाकस्तान।
- किरगिजस्तान।
- ताजिकिस्तान।
- तुर्कमेनिस्तान।
- उज्बेकिस्तान।

यह इस पर केंद्रित है:

- क्षेत्रीय संपर्क।
- आतंकवाद का मुकाबला।
- ऊर्जा सुरक्षा।
- व्यापार और निवेश।
- अफगानिस्तान से संबंधित घटनाक्रम।
- कनेक्टिविटी पहल।

महत्वपूर्ण गलियारे:

- अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC)।
- चाबहार बंदरगाह (ईरान)।
- अश्गाबात समझौता।
- रक्षा सहयोग: अभ्यास DUSTLIK - वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास।

उज्बेकिस्तान के बारे में:

- राजधानी: ताशकंद
- मुद्रा: उज्बेक सोम (UZS)
- राष्ट्रपति: Shavkat Mirziyoyev

पड़ोसी देश:

- कजाकस्तान।
- किरगिजस्तान।
- ताजिकिस्तान।
- अफगानिस्तान।
- तुर्कमेनिस्तान।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO):

- भारत और उज्बेकिस्तान दोनों शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य हैं।
- स्थापित: 2001
- मुख्यालय: बीजिंग, चीन
- महासचिव: नुरलान येरमेकबायेव
- सदस्य: चीन, भारत, कजाकस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान, बेलारूस

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC):

- मल्टीमॉडल परिवहन गलियारा।
- भारत को ईरान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप से जोड़ता है।
- परिवहन लागत और पारगमन समय को कम करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- देश: भारत और उज्बेकिस्तान।
- उद्देश्य: रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करना।
- व्यापार लक्ष्य: तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना।
- तंत्र: भारत-उज्बेकिस्तान अंतर-सरकारी आयोग (आईजीसी)।
- विदेश नीति: मध्य एशिया नीति को कनेक्ट करें।
- रक्षा अभ्यास: DUSTLIK।
- क्षेत्रीय संगठन: शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)।
- कनेक्टिविटी पहल: अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC)।
- उज्बेकिस्तान की राजधानी: ताशकंद।
- मुद्रा: उज्बेक सोम (UZS)।

अरुणाचल प्रदेश में ग्लॉ इली को भारत के 101वें रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया



- अरुणाचल प्रदेश में स्थित ग्लॉ इली को भारत के 101वें रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया है, जो अरुणाचल प्रदेश का पहला रामसर स्थल बन गया है।
- आर्द्रभूमि पर रामसर कन्वेंशन के तहत पदनाम इली को इसकी समृद्ध जैव विविधता और पारिस्थितिक महत्व के कारण अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता देता है।
- इस मान्यता से संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने, स्थायी प्रबंधन को बढ़ावा देने और नाजुक हिमालयी आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने की उम्मीद है।

ग्लॉ लेक के बारे में:

- ग्लॉ इली अरुणाचल प्रदेश में स्थित एक उच्च ऊँचाई वाली हिमालयी आर्द्रभूमि है। यह विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों का समर्थन करता है और क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रामसर साइट क्या है?

- रामसर साइट एक आर्द्रभूमि है जिसे रामसर कन्वेंशन, 1971 के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि के रूप में नामित किया गया है।

रामसर कन्वेंशन

- अपनाया गया: 2 फरवरी 1971
- स्थान: रामसर, ईरान
- लागू हुआ: 1975
- सचिवालय : ग्रंथि, स्विट्ज़रलैंड

- कन्वेंशन को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया जाता है।
- आर्द्रभूमि का महत्व: आर्द्रभूमि कई पारिस्थितिक और आर्थिक लाभ प्रदान करती है।

कार्य:

- बाढ़ नियंत्रण।
- जल शोधन।
- कार्बन पृथक्करण।
- भूजल पुनर्भरण।
- प्रवासी पक्षियों और जलीय जैव विविधता के लिए निवास स्थान।
- जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन।

भारत में आर्द्रभूमि संरक्षण:

भारत आर्द्रभूमि का संरक्षण निम्नलिखित के माध्यम से करता है:

- आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017
- जलीय पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय योजना (एनपीसीए)।
- राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण।
- समुदाय आधारित संरक्षण पहल।

जलीय पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय योजना (NPCA):

- जलीय पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय योजना (एनपीसीए) भारत में एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसका प्रबंधन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा किया जाता है। यह फरवरी 2013 में झीलों और आर्द्रभूमि को बहाल करने के लिए राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना और राष्ट्रीय आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम को मिलाकर बनाया गया था।

आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017:

नियम:

- आर्द्रभूमि को प्रभावित करने वाली गतिविधियों को विनियमित करें।
- पुनर्ग्रहण, अतिक्रमण और अपशिष्ट डंपिंग पर रोक लगाएं।
- राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरणों के लिए प्रावधान करें।
- एकीकृत आर्द्रभूमि प्रबंधन को बढ़ावा देना।

भारत में रामसर स्थल:

- कुल रामसर स्थल: 101 (ग्लॉ इली को शामिल करने के बाद)।
- भारत का पहला रामसर स्थल: चिल्का झील (ओडिशा) और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), जिसे 1981 में नामित किया गया था।

- 100वां रामसर स्थल: सुरहा ताल (जय प्रकाश नारायण पक्षी अभयारण्य), उत्तर प्रदेश।

अरुणाचल प्रदेश के बारे में:

राजधानी: ईटानगर
राज्यपाल: कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक
मुख्यमंत्री: पेमा खांडू
राज्य पशु: मिथुन
राज्य पक्षी: ग्रेट हॉर्नबिल
सबसे बड़ी नदी: सियांग (ब्रह्मपुत्र)
पड़ोसी देश: चीन, भूटान, म्यांमार

विश्व आर्द्रभूमि दिवस:

दिनांक: 2 फरवरी।
आर्द्रभूमि के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

लोकसभा ने सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया



- लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया है, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को छोड़कर सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रयास करता है।
- यह विधेयक मई 2026 में प्रख्यापित सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 का स्थान लेगा।
- प्राथमिक उद्देश्य मामलों के बढ़ते बैकलॉग को संबोधित करना, न्यायिक दक्षता में सुधार करना और न्याय का त्वरित वितरण सुनिश्चित करना है।
- संशोधन के बाद सीजेआई समेत सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या 34 से बढ़कर 38 हो जाएगी।

सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 के बारे में:

- उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या निर्धारित करता है।

- रामसर कन्वेंशन (1971) को अपनाने का प्रतीक है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

101 वीं रामसर साइट: ग्लॉ लेक।
राज्य: अरुणाचल प्रदेश।
अरुणाचल प्रदेश का पहला रामसर स्थल।
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: रामसर कन्वेंशन, 1971।
कन्वेंशन को अपनाया गया: रामसर, ईरान।
सचिवालय: ग्लैंड, स्विट्जरलैंड।
विश्व आर्द्रभूमि दिवस: 2 फरवरी।
नोडल मंत्रालय: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय।
100वां रामसर स्थल: सुरहा ताल (जय प्रकाश नारायण पक्षी अभयारण्य), उत्तर प्रदेश।

न्यायाधीश शक्ति का विकास:

सालों स्वीकृत संख्या (सीजेआई को छोड़कर)	
1950	7
1956	10
1977	17
1986	25
2009	30
2019	33
2026	37

- नवीनतम संशोधन के बाद, सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित 38 न्यायाधीश होंगे।

संवैधानिक प्रावधान:

- अनुच्छेद 124: संविधान का अनुच्छेद 124 भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना और संरचना का प्रावधान करता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- सर्वोच्च न्यायालय को सर्वोच्च न्यायिक प्राधिकरण के रूप में स्थापित करता है।
- भारत के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान करता है।
- संसद कानून द्वारा न्यायाधीशों की संख्या बढ़ा सकती है।
- न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति:

- संवैधानिक आधार: अनुच्छेद 124।

नियुक्तिकरण:

- भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के आधार पर।

कॉलेजियम संरचना:

- भारत के मुख्य न्यायाधीश।
- सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम न्यायाधीश।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की योग्यताएं:

एक व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र है यदि वह:

- भारत का नागरिक है।
- कम से कम पांच वर्षों के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य किया है, या
- कम से कम दस वर्षों के लिए उच्च न्यायालय का वकील रहा हो, या
- राष्ट्रपति की राय में, एक प्रतिष्ठित न्यायविद है।

कार्यकाल और निष्कासन:

- जज 65 साल की उम्र में रिटायर होते हैं।
- अनुच्छेद 124 (4) के तहत प्रावधान किए गए कदाचार या अक्षमता के आधार पर संसद द्वारा महाभियोग के माध्यम से निष्कासन किया जाता है।
- सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र

अरुणाचल प्रदेश के बीरी टकार ने बीडब्ल्यूएफ पैरा वर्ल्ड सर्किट में दोहरा पदक जीता

- अरुणाचल प्रदेश के पैरा शटलर बिरी टकार ने ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2026 में पुरुष युगल में स्वर्ण और पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता।

सर्वोच्च न्यायालय अभ्यास करता है:

- मूल क्षेत्राधिकार (अनुच्छेद 131)।
- अपीलीय क्षेत्राधिकार।
- सलाहकार क्षेत्राधिकार (अनुच्छेद 143)।
- रिट क्षेत्राधिकार (अनुच्छेद 32)।
- समीक्षा क्षेत्राधिकार (अनुच्छेद 137)।

न्यायाधीश की संख्या बढ़ाने का महत्व

संशोधन से निम्नलिखित की उम्मीद है:

- न्यायिक देरी को कम करें।
- संवैधानिक और सिविल अपीलों के निपटान में सुधार करना।
- न्याय तक पहुंच को मजबूत करना।
- न्यायिक प्रशासन को बढ़ाएं।
- जनहित और संवैधानिक मामलों के समय पर निर्णय का समर्थन करना।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- विधेयक: सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026
- द्वारा पारित: लोकसभा।
- न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि: 33 से 37 (सीजेआई को छोड़कर)।
- कुल संख्या: 38 न्यायाधीश (सीजेआई सहित)।
- संबंधित अधिनियम: सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956
- संवैधानिक प्रावधान: अनुच्छेद 124।
- सेवानिवृत्ति आयु: 65 वर्ष।
- नियुक्ति: कॉलेजियम की सिफारिश पर राष्ट्रपति।
- निष्कासन: अनुच्छेद 124(4) (महाभियोग)।

- बीडब्ल्यूएफ पैरा वर्ल्ड सर्किट बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन प्रतियोगिता श्रृंखला है।

ब्री टकार के बारे में:

- बिरी टकार अरुणाचल प्रदेश के भारत के प्रमुख पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में से एक हैं। वह SL4 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करता है, जो निचले अंगों की हानि वाले एथलीटों के लिए है जो खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।



बैडमिंटन वर्गीकरण के लिए:

- पैरा बैडमिंटन एथलीट अपनी हानि की प्रकृति के आधार पर विभिन्न खेल वर्गों में प्रतिस्पर्धा करते हैं।

कोटि या क्रिस्म	
डब्ल्यूएच1	व्हीलचेयर 1
डब्ल्यूएच2	व्हीलचेयर 2
एसएल3	खड़े होना - निचले अंग की हानि (गंभीर)
एसएल4	खड़े होना - निचले अंग की हानि (कम गंभीर)
एसयू5	खड़े होना - ऊपरी अंग हानि
एसएच6	छोटा कद

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) के बारे में:

- स्थापना: 1934 (अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन महासंघ के रूप में); 2006 में इसका नाम बदलकर बीडब्ल्यूएफ कर दिया गया
- मुख्यालय: कुआलालंपुर, मलेशिया
- अध्यक्ष: खुनयिंग पटामा लीस्वाद्रकुल

पैरालिंपिक में पैरा बैडमिंटन:

- डेब्यू: टोक्यो पैरालिंपिक गेम्स 2020 (2021 में आयोजित)।
- बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शासित है।
- पुरुषों और महिलाओं के लिए छह खेल वर्ग शामिल हैं।

भारत में पैरा खेल:

- भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और युवा मामले और खेल मंत्रालय निम्नलिखित के माध्यम से पैरा एथलीटों को सहायता प्रदान करते हैं:
- लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स)।

- राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र (एनसीओई)।
- खेलो इंडिया पहल।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन के लिए वित्तीय सहायता।

भारतीय पैरालिंपिक समिति (PCI):

- बनाया गया: 1992
- संबद्धता: अंतर्राष्ट्रीय पैरालिंपिक समिति (आईपीसी)
- अध्यक्ष: देवेन्द्र झाझरिया
- महासचिव: जयवंत गुंडू हमनवार

अंतर्राष्ट्रीय पैरालिंपिक समिति (आईपीसी)

- स्थापित: 1989
- राष्ट्रपति: ब्राजील एंड्रयू पार्सन्स
- मुख्यालय: बॉन, जर्मनी

भारत के उल्लेखनीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी:

- प्रमोद भगत।
- कृष्णा नगरा
- सुहास लालिनाकरे यतिराज।
- मनीष रामदास।
- नितेश कुमार।
- सुकांत कदमा

परीक्षा फोकस बिंदु:

- एथलीट: बीडी टकार।
- राज्य: अरुणाचल प्रदेश।
- खेल: बैडमिंटन के लिए।
- टूर्नामेंट: बीडब्ल्यूएफ पैरा वर्ल्ड सर्किट।
- वर्गीकरण: SL4.
- शासी निकाय: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ)।
- BWF मुख्यालय: कुआलालंपुर, मलेशिया।
- राष्ट्रीय निकाय: भारतीय पैरालिंपिक समिति (पीसीआई)।
- वैश्विक निकाय: अंतर्राष्ट्रीय पैरालिंपिक समिति (आईपीसी)।

हुरुन इंडिया महिला नेताओं की सूची 2026 जारी



- हुरुन इंडिया महिला नेताओं की सूची 2026 ने व्यवसाय, उद्यमिता, खेल, सार्वजनिक सेवा और सामाजिक प्रभाव में भारत की सबसे प्रभावशाली महिला नेताओं को मान्यता दी है।
- बीबीए फैशन की संस्थापक मीना बिंद्रा इस सूची में शीर्ष पर रहीं, जबकि पैरालंपिक चैंपियन अवनि लेखरा शीर्ष 10 में सबसे कम उम्र की महिला के रूप में उभरीं।
- यह सूची उन महिलाओं का जश्न मनाती है जिन्होंने नेतृत्व, नवाचार, उद्यमिता और राष्ट्र निर्माण के माध्यम से उत्कृष्ट योगदान दिया है।

मीना बिंद्रा :

- बीआईबीए फैशन के संस्थापक, जो भारत के अग्रणी एथनिक वियर ब्रांडों में से एक है।
- भारत के सबसे सफल महिलाओं के नेतृत्व वाले फैशन उद्यमों में से एक के निर्माण के लिए मान्यता प्राप्त है।
- भारत के संगठित जातीय परिधान उद्योग में अग्रणी।

अवनि लेखरा:

- शीर्ष 10 में सबसे कम उम्र की महिला।
- पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला।
- SH1 श्रेणी की राइफल शूटिंग में प्रतिस्पर्धा करता है।
- कई पैरालंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व नंबर 1 अपने इवेंट में।
- SH1: एथलीट जो स्वयं बन्दूक के वजन का समर्थन कर सकते हैं।

शीर्ष 5 महिला नेता – Candere Hurun India Women Leaders List 2026

श्रेणी	नाम	संगठन/संघ	उम्र
1	मीना बिंद्रा	बीबा	83
2	तुषारा शंकर ल्यूपिन		46

3	रजनी बेक्टर क्रेमिका फूड स्पेशियलिटीज	86
4	वैशाली निगम सिन्हा	शक्ति को नवीनीकृत करें 56
5	सुनेथा रेड्डी और प्रीता रेड्डी	अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज 67 और 68

शीर्ष 5 सबसे कम उम्र की महिला नेता 2026

श्रेणी	नाम	संगठन/संघ
1	शीतल देवी पैरालंपियन	
2	नूरिन आयशा	फेमी सेफ
3	गुलाटी बाल उद्यमी और प्रभावशाली व्यक्ति	
4	प्रियंका शर्मा स्वतंत्र पत्रकार	
5	क्रतिका मोहन	गरुड एयरोस्पेस

सभी श्रेणियों में शीर्ष 5 सबसे उम्रदराज महिला नेता

श्रेणी	नाम	संगठन/संघ
1	रजनी बेक्टर क्रेमिका खाद्य विशेषताएँ	
2	मीना बिंद्रा बीबा	
3	मंजू डी. गुप्ता ल्यूपिन	
4	बीना मोदी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया	
5	बानू मुश्ताक रचयिता	

नारी शक्ति पुरस्कार:

- महिलाओं के लिए भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर प्रतिवर्ष प्रस्तुत किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:

- मनाया गया: 8 मार्च
- थीम हर साल बदलती रहती है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- रिपोर्ट: हरुन इंडिया महिला नेताओं की सूची 2026।
- द्वारा जारी: हरुन इंडिया।
- शीर्षक: मीना बिंद्रा

- टॉप 10 में सबसे कम उम्र की खिलाड़ी अविनी लेखरा।
- मीना बिंद्रा द्वारा स्थापित कंपनी: बीआईबीए फैशन।
- अविनी लेखरा का खेल: पैरा शूटिंग।
- वर्गीकरण: SH1.
- पैरालंपिक खेलों के लिए वैश्विक निकाय: अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी)।
- आईपीसी मुख्यालय: बॉन, जर्मनी।

RBI ने मोनिशा चक्रवर्ती को कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया



- राष्ट्रीयकृत 1 जनवरी 1949
- हेडक्वार्टर्स मुंबई, महाराष्ट्र
- राज्यपाल संजय मल्होत्रा

RBI में कार्यकारी निदेशक:

- कार्यकारी निदेशक प्रमुख कार्यात्मक विभागों के नेतृत्व के लिए जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारी होते हैं।

उनकी भूमिका:

- आरबीआई की नीतियों को लागू करें।
- बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के संचालन की निगरानी करना।
- राज्यपाल और उपराज्यपालों की सहायता करें।
- वित्तीय संस्थानों और सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय करें।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- नियुक्ति: मोनिशा चक्रवर्ती।
- पद: कार्यकारी निदेशक, आरबीआई।
- प्रभावी तिथि: 3 अगस्त 2026।
- विभाग: पर्यवेक्षण विभाग।
- संस्थान: भारतीय रिज़र्व बैंक।
- आरबीआई की स्थापना: 1 अप्रैल 1935।
- राष्ट्रीयकृत: 1 जनवरी 1949।
- मुख्यालय: मुंबई।
- संबंधित कानून: आरबीआई अधिनियम, 1934
- संबंधित बैंकिंग कानून: बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949

- भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने मोनिशा चक्रवर्ती को कार्यकारी निदेशक (ईडी) के रूप में नियुक्त किया है।
- अपनी नियुक्ति से पहले, उन्होंने पर्यवेक्षण विभाग के मुख्य महाप्रबंधक-प्रभारी के रूप में कार्य किया।
- कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह पर्यवेक्षण विभाग की देखरेख करेंगी, बैंकिंग विनियमन, वित्तीय स्थिरता और विनियमित संस्थाओं के विवेकपूर्ण पर्यवेक्षण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।
- उनकी नियुक्ति आरबीआई के प्रभावी वित्तीय क्षेत्र की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ नेतृत्व को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है।

पर्यवेक्षण विभाग के बारे में:

- बैंकों और वित्तीय संस्थानों की देखरेख करता है।
- ऑनसाइट निरीक्षण और ऑफसाइट निगरानी करता है।
- बैंकिंग नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।
- प्रणालीगत जोखिमों की पहचान करता है।
- वित्तीय क्षेत्र के लचीलेपन को मजबूत करता है।
- वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के आधार पर पर्यवेक्षी ढांचे को लागू करता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के बारे में:

- स्थापित 1 अप्रैल 1935

सीडीएससीओ की मंजूरी के बाद ईसाई ने भारत में अल्जाइमर की दवा लेकेम्बी लॉन्च की



- जापानी दवा कंपनी ईसाई ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से अनुमोदन के बाद भारत में लेकेम्बी (लेकेनेमैब) लॉन्च किया है।
- लेकेम्बी भारत में पहली रोग-संशोधित चिकित्सा है जिसे हल्के संज्ञानात्मक हानि (एमसीआई) या एमाइलॉइड-बीटा पैथोलॉजी से जुड़े हल्के अल्जाइमर डिमेंशिया वाले पात्र रोगियों में प्रारंभिक चरण के अल्जाइमर रोग के उपचार के लिए अनुमोदित किया गया है।
- पारंपरिक दवाओं के विपरीत जो मुख्य रूप से लक्षणों का प्रबंधन करते हैं, लेकेम्बी मस्तिष्क में अमाइलॉइड-बीटा सजीले टुकड़े को कम करके अंतर्निहित रोग प्रक्रिया को लक्षित करता है, संभावित रूप से अल्जाइमर रोग की प्रगति को धीमा कर देता है।

लॉन्च महत्वपूर्ण क्यों है?

- अल्जाइमर रोग दुनिया भर में मनोभ्रंश के प्रमुख कारणों में से एक है। मौजूदा दवाएं काफी हद तक रोगसूचक राहत प्रदान करती हैं, जबकि लेकेम्बी का उद्देश्य अंतर्निहित विकृति को लक्षित करके रोग की प्रगति को धीमा करना है।

लेकेम्बी कैसे काम करता है?

- लेकेम्बी (लेकेनेमैब) एक मानवकृत मोनोक्लोनल एंटीबॉडी है जो मस्तिष्क में अमाइलॉइड-बीटा प्रोटीन समुच्चय को बांधता है।

कारवाई की व्यवस्था:

- अमाइलॉइड-बीटा सजीले टुकड़े को हटा देता है।
- संज्ञानात्मक गिरावट की प्रगति को धीमा कर देता है।
- अल्जाइमर रोग के शुरुआती चरणों के दौरान सबसे प्रभावी।
- चिकित्सकीय पर्यवेक्षण के तहत अंतःशिरा (IV) जलसेक के माध्यम से प्रशासित किया जाता है।

अल्जाइमर रोग क्या है?

- अल्जाइमर रोग एक प्रगतिशील न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार है और मनोभ्रंश का सबसे आम कारण है।

लक्षण:

- प्रगतिशील स्मृति हानि।
- सोचने और तर्क करने में कठिनाई।
- समय और स्थान को लेकर भ्रम।
- भाषा और संचार की समस्याएं।
- व्यक्तित्व और व्यवहार में परिवर्तन।
- दैनिक गतिविधियों को करने की क्षमता का नुकसान।

जोखिम कारक:

- बढ़ी हुई उम्र।
- पारिवारिक इतिहास।
- आनुवंशिक प्रवृत्ति।
- हृदय रोग।
- मधुमेह।
- उच्च रक्तचाप।
- मोटापा।
- शारीरिक निष्क्रियता।

CDSCO के बारे में:

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) भारत का राष्ट्रीय औषधि नियामक प्राधिकरण है।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- प्रमुख: ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) (डॉ. राजीव सिंह रघुवंश)।

मोनोक्लोनल एंटीबॉडी:

- मोनोक्लोनल एंटीबॉडी प्रयोगशाला-निर्मित प्रोटीन हैं जिन्हें विशिष्ट अणुओं को लक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उपयोग:

- कैंसर का इलाज।
- ऑटोइम्यून बीमारियां।
- संक्रामक रोग।

- न्यूरोलॉजिकल विकार जैसे अल्जाइमर रोग।

मनोभ्रंशः

- डिमेंशिया एक सिंड्रोम है जो याददाश्त, सोच, व्यवहार और दैनिक कामकाज में गिरावट की विशेषता है।

प्रमुख कारणः

- अल्जाइमर रोग (सबसे आम)।
- संवहनी मनोभ्रंश।
- लेवी बॉडी डिमेंशिया।
- फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया।

बुजुर्गों की देखभाल के लिए सरकारी पहलः

- बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई): वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है।
- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी): न्यूरोलॉजिकल और मनोरोग विकारों के निदान और उपचार का समर्थन करता है।

विश्व अल्जाइमर दिवसः

- मनाया गया: हर साल 21 सितंबर।

- उद्देश्य: अल्जाइमर रोग और मनोभ्रंश के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO):

- पढ़ाई: 7 अप्रैल 1948
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- महानिदेशक: टेड्रोस अदनोम गेब्रेयेसस

परीक्षा फोकस बिंदुः

- दवा: लेकेम्बी (लेकेनेमैब)।
- कंपनी: ईसाई।
- द्वारा स्वीकृत: सीडीएससीओ।
- लक्ष्य रोग: प्रारंभिक अल्जाइमर रोग।
- दवा का प्रकार: रोग-संशोधित मोनोक्लोनल एंटीबॉडी।
- तंत्र: अमाइलॉइड-बीटा सजीले टुकड़े को हटाता है।
- नियामक: केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ)।
- सीडीएससीओ के प्रमुख: ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई)।
- विश्व अल्जाइमर दिवस: 21 सितंबर।

पूर्व राज्यपाल और शिक्षाविद् डी. वाई. पाटिल का निधन



- पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. डी. वाई. पाटिल, प्रसिद्ध शिक्षाविद् और बिहार, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल, का 91 वर्ष की आयु में महाराष्ट्र के कोल्हापुर में निधन हो गया।
- वह डीवाई पाटिल ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक थे, जिसने भारत में उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और खेल के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

एक राज्य के राज्यपालः

- राज्यपाल भारत के संविधान के तहत किसी राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है।

संवैधानिक प्रावधानः

- अनुच्छेद 153-162 राज्यपाल के कार्यालय से संबंधित है।
- अनुच्छेद 153: प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल होगा।
- अनुच्छेद 155: राज्यपाल की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- अनुच्छेद 156: राष्ट्रपति की इच्छा के दौरान पद धारण करता है।
- अनुच्छेद 157: राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के लिए योग्यता।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC):

- यह यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुसार स्थापित किया गया था और भारत में उच्च शिक्षा के मानकों के समन्वय, निर्धारण और रखरखाव का आरोप है।
- स्थापित: 1956
- मुख्यालय: नई दिल्ली

अध्यक्ष: डॉ विनीत जोशी	- प्रमुख योगदान: डी. वाई. पाटिल समूह के संस्थापक। - संबंधित सवैधानिक लेख: 153-162। - राज्यपाल द्वारा नियुक्त: भारत के राष्ट्रपति। - उच्च शिक्षा नियामक: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)।
परीक्षा फोकस बिंदु:	
- व्यक्ति: डॉ. डी. वाई. पाटिल। - पुरस्कार: पद्म श्री। - के लिए जाना जाता है: शिक्षाविद और परोपकारी। - के पूर्व राज्यपाल: बिहार, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल।	

मृत अंगदान में तमिलनाडु भारत में सबसे ऊपर, 2025 में अंग प्रत्यारोपण में दूसरे स्थान पर



- राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) के अनुसार, तमिलनाडु मृत अंग दान में अग्रणी राज्य के रूप में उभरा और 2025 में किए गए अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या में दूसरे स्थान पर रहा।
- राज्य की सफलता का श्रेय इसके मजबूत ट्रांसप्लान्ट अथॉरिटी ऑफ तमिलनाडु (TRANSTAN), पारदर्शी अंग आवंटन प्रणाली, मजबूत जन जागरूकता, कुशल अस्पताल नेटवर्क और स्वास्थ्य संस्थानों के बीच प्रभावी समन्वय को दिया जाता है।

मृत अंग दाताओं द्वारा शीर्ष राज्य (2025):

- तमिलनाडु: 266 (मृत दाता) - तेलंगाना: 205 (मृत दाता) - कर्नाटक: 198 (मृत दाता) - महाराष्ट्र: 154 (मृत दाता) - गुजरात: 152 (मृत दाता)

कुल अंग प्रत्यारोपण में दिल्ली सबसे ऊपर:

- दिल्ली: 4,564 - तमिलनाडु: 2,796 - महाराष्ट्र: 2,136 - तेलंगाना: 1,523
--

केरल: 1,489

NOTTO के बारे में

- राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) अंग दान और प्रत्यारोपण के लिए शीर्ष राष्ट्रीय निकाय है। - मुख्यालय: नई दिल्ली - कार्य राष्ट्रीय प्रतीक्षा सूची, अंग आवंटन, रजिस्ट्री, नीति समन्वय और जागरूकता

- राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (एनओटीपी)
- राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (NOTP) का उद्देश्य है:**

- मृत अंग दान को बढ़ावा देना। - प्रत्यारोपण के बुनियादी ढांचे को मजबूत करें। - अंगदान के बारे में जागरूकता पैदा करें। - ROTTOS और SOTTO स्थापित करें। - न्यायसंगत अंग आवंटन में सुधार करें।

कानूनी ढांचा:

- मानव अंगों और ऊतकों का प्रत्यारोपण अधिनियम (THOTA), 1994 - मानव अंगों और ऊतकों को हटाने, भंडारण और प्रत्यारोपण को नियंत्रित करता है। - मानव अंगों के वाणिज्यिक व्यापार पर प्रतिबंध लगाता है। 2011 में संशोधित। - मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण नियम, 2014 द्वारा समर्थित।
--

अतिरिक्त तथ्य:

- रोटो: क्षेत्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन।
- SOTTO: राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन।
- विश्व अंगदान दिवस: 13 अगस्त।
- NOTTO के अनुसार, भारत ने 2025 में 20,019 अंग प्रत्यारोपण किए, जो उस समय सबसे अधिक है।

- अंग प्रत्यारोपण में दूसरा: तमिलनाडु।
- राज्य नोडल एजेंसी: ट्रांसटना।
- राष्ट्रीय नोडल निकाय: NOTTO।
- संबंधित योजना: राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (एनओटीपी)।
- संबंधित कानून: मानव अंगों और ऊतकों का प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 (संशोधित 2011)।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- मृत अंग दान (2025) में शीर्ष राज्य: तमिलनाडु।

के अनुसार लोकसभा में सरकार द्वारा साझा की गई जानकारी के लिए: भारत ने लगभग सार्वभौमिक बैंकिंग कवरेज हासिल किया: 99.92 प्रतिशत गांवों को कवर किया गया



- वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि भारत में 99.92% बसे हुए गांव अब बैंकिंग आउटलेट्स द्वारा कवर किए गए हैं - जिसमें बैंक शाखाएं, बिजनेस कॉरिस्पोंडेंट (बीसी) और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) आउटलेट शामिल हैं - 5 किमी के दायरे में।
- इस उपलब्धि की निगरानी जन धन दर्शक (JDD) ऐप के माध्यम से की गई है, जो एक GIS-आधारित प्लेटफॉर्म है जो देश भर में बैंकिंग बुनियादी ढांचे को ट्रैक करता है।
- यह पहल प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) और वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन (एनएमएफआई) के तहत भारत की वित्तीय समावेशन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जन धन दर्शक (JDD) ऐप:

- जन धन दर्शक ऐप एक जीआईएस-आधारित एप्लिकेशन है जिसे पूरे भारत में बैंकिंग बुनियादी ढांचे की निगरानी के लिए विकसित किया गया है।

सुविधाएं:

- गांवों में बैंकिंग आउटलेट्स का मानचित्र।
- बैंक रहित क्षेत्रों की पहचान करता है।
- बैंकों को नए बैंकिंग आउटलेट की योजना बनाने में मदद करता है।
- वित्तीय समावेशन में सुधार के लिए नीति निर्माताओं का समर्थन करता है।

प्रधान मंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई):

- 28 अगस्त 2014 को लॉन्च किया गया, पीएमजेडीवाई वित्तीय समावेशन के लिए भारत का प्रमुख राष्ट्रीय मिशन है।

प्रमुख विशेषताएं

- शून्य-शेष बैंक खाते।
- रुपये डेबिट कार्ड।
- ओवरड्राफ्ट सुविधा (पात्रता के अधीन)।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी)।
- दुर्घटना और जीवन बीमा लाभ।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB):

- शुरू किया गया: 2018।
- एमडी और सीईओ: श्री आर. विश्वेश्वरन
- प्रशासनिक मंत्रालय: संचार मंत्रालय।
- भारत के डाक नेटवर्क के माध्यम से डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है।

व्यवसाय संवाददाता (BC):

- बैंक द्वारा अधिकृत एजेंट, जो बैंक रहित और कम सेवा वाले क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं।
- अंतिम छोर तक वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना।

RBI वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-सूचकांक):

- 2021 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पेश किया गया।

- वित्तीय सेवाओं की पहुंच, उपयोग और गुणवत्ता के आधार पर वित्तीय समावेशन को मापा जाता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- ग्राम बैंकिंग कवरेज: 99.92%।
- मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म: जन धन दर्शक (जेडीडी) ऐप।
- फ्लैगशिप स्कीम: प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई)।

- पीएमजेडीवाई का शुभारंभ: 28 अगस्त 2014
- बैंकिंग आउटलेट: शाखाएं, बीसी और आईपीबीबी।
- राष्ट्रीय नियामक: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)।
- वित्तीय समावेशन सूचकांक: आरबीआई एफआई-इंडेक्स।
- 100 प्रतिशत कवरेज केंद्र शासित प्रदेश: दादरा और नगर हवेली।

लेट्स रिवाइज

❖ हाल ही में किस मध्य एशियाई देश ने अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए भारत के साथ सहमति व्यक्त की है?

उज्बेकिस्तान।

❖ हाल ही में किस आर्द्रभूमि को भारत के 101 वें रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया है? **ग्लो लेक।**

❖ सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर कितने (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) करता है? **37 न्यायाधीश।**

❖ अरुणाचल प्रदेश के किस पैरा शटलर ने हाल ही में BWF पैरा वर्ल्ड सर्किट में दोहरे पदक जीते? **बिरी तकरा।**

❖ हरुन इंडिया महिला नेताओं की सूची 2026 में कौन शीर्ष पर है? **मीना बिंद्रा।**

❖ पर्यवेक्षण विभाग की देखरेख के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? **मोनिशा चक्रवर्ती।**

❖ किस कंपनी ने हाल ही में भारत में अल्जाइमर की दवा लेकेम्बी लॉन्च की है? **ईसाई फार्मास्यूटिकल्स।**

❖ किस प्रसिद्ध शिक्षाविद् और बिहार, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल का हाल ही में निधन हो गया? **डॉ. डी. वाई. पाटिल।**

❖ 2025 में मृत अंग दान में कौन सा राज्य भारत में सबसे ऊपर है? **तमिलनाडु।**

❖ भारत में बसे हुए गांवों का कितना प्रतिशत 5 किमी के दायरे में बैंकिंग आउटलेट द्वारा कवर किया गया है? **99.92%।**



The **ACHIEVERS** IAS ACADEMY PATNA

Daily **NEWS CHRONICLE**

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US



+91 8434931877



achievers_ias_patna



PATLIPUTRA GOLAMBAR



ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC)



achieversiaspatna@gmail.com



Achievers IAS Academy



www.achieversiaspatna.co.in



Achievers IAS Academy, PATNA